भारत सरकार
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1985
11 दिसंबर, 2025 को उत्तर देने के लिए

ओडिशा में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां

1985. श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देवः

क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मंत्रालय ने ओडिशा के कृषि-जलवायु क्षेत्रों में और विशेषकर धान, फलों और समुद्री उत्पादों के उच्च अधिशेष वाले जिलों में प्रधान मंत्री किसान संपदा योजना, प्रधान मंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकरण (पीएम-एफएमई) योजना और उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना जैसी केंद्र से सहायता प्राप्त योजनाओं के वर्तमान उपयोग स्तरों का आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) ओडिशा में पिछले पांच वर्षों के दौरान कितनी खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को केंद्रीय सहायता प्राप्त हुई है और केंद्रीय योजनाओं के अंतर्गत अनुमोदित शीत-शृंखला, प्राथमिक प्रसंस्करण, परीक्षण और मूल्य-संवर्धन अवसंरचना का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या मंत्रालय ने चावल, समुद्री खाद्य और बागवानी में महत्वपूर्ण उत्पादन के होते हुए भी प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात में ओडिशा की कम हिस्सेदारी के कारणों को चिह्नित किया है; और

(घ) यदि हां, तो राष्ट्रीय निर्यात-उन्मुख प्राथमिकताओं के अनुरूप ओडिशा के खाद्य-प्रसंस्करण पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा एमएसएमई और स्टार्ट-अप के लिए प्रौद्योगिकी अपनाने, अनुसंधान और विकास सहायता देने तथा बाजार संपर्क बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री
(श्री रवनीत सिंह)

(क) और (ख): खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) अपनी दो केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं अर्थात् प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई) और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएसएफपीआई) के माध्यम से संबंधित अवसंरचना की स्थापना/विस्तार को प्रोत्साहित कर रहा है। इसके अलावा, एक केंद्र प्रायोजित प्रधान मंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन (पीएमएफएमई) योजना भी एमओएफपीआई द्वारा कार्यान्वित्त की जा रही है। ये तीनों योजनाएं ओडिशा के कृषि-जलवायु क्षेत्रों सहित देश भर में कार्यान्वित्त की जाती हैं। योजनाओं के प्रारम्भ से एमओएफपीआई द्वारा कार्यान्वित योजनाओं के अंतर्गत ओडिशा राज्य में अनुमोदित खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।
योजनाओं को बढ़ावा देने और लोकप्रिय बनाने के लिए, एमओएफपीआई लाभार्थियों और अन्य हितधारकों के साथ नियमित रूप से समीक्षा बैठकें आयोजित करता है। योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उपयोग के स्तर को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तरों पर जागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाएं, सेमिनार आयोजित किए जाते हैं। पीएमएफएमई योजना के प्रदर्शन में सुधार के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों और बैंकों के साथ बैठकें भी आयोजित की जाती हैं।

समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एम्पीडा) द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार, एम्पीडा मूल्य संवर्धन इकाइयों, स्वचालित मशीनरी, शीत श्रृंखला प्रणाली, और लाइव, चिल्ड, ड्राइड और सजावटी मछली के साथ-साथ प्री-प्रोसेसिंग, डेप्युरेशन सेंटर और नए उत्पाद विकास की स्थापना के लिए ओडिशा सहित सभी राज्यों में समुद्री खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को सहायता प्रदान करता है ।

इन योजनाओं का लाभ ओडिशा सहित सभी राज्यों में समुद्री खाद्य प्रोसेसरों द्वारा नई इकाइयों की स्थापना, मूल्य वर्धित उत्पाद क्षमता के विस्तार और उत्पाद विविधीकरण के लिए लिया जा सकता है। पिछले पांच वर्षों के दौरान एम्पीडा द्वारा ओडिशा को जारी की गई सहायता इस प्रकार है:

रुपए लाख में

वर्ष	2020-2021		2021-22		2022-23		2023-24		2024-25	
राज्य	पी	एफ	पी	एफ	पी	एफ	पी	एफ	पी	एफ
ओडिशा	5	280.55	0	0	0	0	0	0	1	67.5

पी - भौतिक, एफ - वित्तीय

(ग) और (घ): एम्पीडा के अनुसार, ओडिशा के समुद्री खाद्य निर्यात ने एक सकारात्मक प्रवृत्ति दिखाई है, जिसमें पिछले दशक में मात्रा और मूल्य दोनों में लगातार वृद्धि हुई है। निर्यात की मात्रा विशेष रूप से झींगा में बढ़ते उत्पादन और जलीय कृषि गतिविधियों के विस्तार द्वारा समर्थित में काफी वृद्धि हुई है। निर्यात की मात्रा वर्ष 2015-16 में 35,612 मीट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 92,169 मीट्रिक टन हो गई, जो एक मजबूत दीर्घकालिक वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाती है।

राज्य लगातार उच्च इकाई मूल्य भी रखता है, जो इसकी निर्यात बास्केट में प्रीमियम, उच्च मूल्य की स्पशीजों की एक मजबूत हिस्सेदारी का संकेत देता है। निर्यात मूल्य 1,791 करोड़ ₹ से दोगुना से अधिक बढ़कर 4,668 करोड़ ₹ हो गया।

अप्रैल से अक्टूबर 2025 के दौरान अनंतिम डेटा के अनुसार ओडिशा राज्य ने 395.49 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य और मात्रा के अनुसार 0.63 लाख मीट्रिक टन समुद्री उत्पादों का निर्यात किया। अप्रैल से अक्टूबर 2025 (अनंतिम) के दौरान कुल निर्यात में % में ओडिशा की हिस्सेदारी मात्रा के अनुसार 5.94% और अमेरिकी डॉलर के मूल्य से 8.28% है। अप्रैल से अक्टूबर 2025 (अनंतिम) के दौरान, ओडिशा का निर्यात मात्रा में 14.41% और अमेरिकी डॉलर मूल्य में 22.72% बढ़ गया।

इसके अलावा, द्वारा कार्यान्वित योजनाओं के अंतर्गत स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) सहित एमओएफपीआई एमओएफपीआई पात्र संस्थाओं को सब्सिडी/प्रोत्साहन प्रदान करता है। इन योजनाओं का उद्देश्य फार्म गेट से खुदरा आउटलेट तक कुशल आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के साथ आधुनिक अवसंरचना का सृजन करना है जिसमें भंडारण, परिवहन, बाजार लिंकेज का सृजन आदि शामिल हैं, जिससे किसानों को बेहतर आय प्रदान करने और प्रसंस्करण स्तर बढ़ाने और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के निर्यात को बढ़ाने में सहायता मिलती है।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए, एमओएफपीआई ने पीएमकेएसवाई के अंतर्गत अपनी आर एंड डी योजना के माध्यम से संबंधित मांग आधारित आर एंड डी परियोजनाओं के लिए निजी क्षेत्र में वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) मान्यता प्राप्त अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) इकाइयों सहित शैक्षिक और अनुसंधान संस्थानों को सहायता अनुदान प्रदान किया।

इसके अलावा, एमओएफपीआई के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन, राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान (निफ़्टेम) कुंडली और निफ़्टेम, तंजावुर, इस क्षेत्र में अनुसंधान और विकास गतिविधियों में भी लगे हुए हैं। इसके अलावा, पीएमएफएमई योजना के इंक्यूबेशन घटक के अंतर्गत, खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करने और प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए ओडिशा राज्य में 1 इंक्यूबेशन केंद्र को अनुमोदित और स्थापित किया गया है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है-

मेजबान संस्थान का नाम	जिले का नाम	स्वीकृत राशि करोड़ रु. में
मत्स्य महाविद्यालय, ओडिशा कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,	गंजम	1.85

एम्पीडा विशिष्ट मूल्य वर्धित समुद्री उत्पादों के लिए प्रौद्योगिकी विकास (टीडीएसवीएमपी) योजना के माध्यम से एमएसएमई और स्टार्ट-अप के लिए समुद्री खाद्य मूल्य संवर्धन में प्रौद्योगिकी अपनाने और उत्पाद नवाचार को बढ़ावा देता है। यह योजना आधुनिक मूल्य वर्धित मशीनरी को अपनाने और नए मूल्य वर्धित समुद्री उत्पादों को विकसित करने के लिए वित्तीय सहायता के लिए एमएसएमई इकाइयों को प्राथमिकता देती है। यह समर्थन उत्पाद विकास को मजबूत करता है, मूल्य संवर्धन दक्षता को बढ़ाता है और राष्ट्रीय निर्यात-उन्मुख प्राथमिकताओं के अनुरूप एमएसएमई की निर्यात तैयारी में सुधार करता है।

*****

अनुबंध

दिनांक 11 दिसंबर, 2025 को उत्तर के लिए "ओडिशा में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ" के संबंध में लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1985 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

क. ओडिशा राज्य में पीएमकेएसवाई की घटक योजना के अंतर्गत प्रारम्भ से अब तक अनुमोदित परियोजनाओं की सूची

क्रम संख्या	परियोजना का नाम	अनुमोदन की तिथि	परियोजना लागत (करोड़ रुपये में)	अनुमोदित अनुदान सहायता (करोड़ रुपये में)
घटक योजना- मेगा फूड पार्क योजना				
1	एमआईटीएस मेगा फूड पार्क लिमिटेड	16-**अप्रैल**-2012	87.88	45.94
2	ओडिशा औद्योगिक अवसंरचना विकास निगम	6-**नवंबर**-2015	121.95	50
घटक योजना- एकीकृत शीत शृंखला और मूल्य संवर्धन अवसंरचना योजना				
3	ओम ऑयल एंड फ्लोर मिल्स लिमिटेड	17-04-2017	13.45	2.08
4	फाल्कन मरीन एक्सपोर्ट्स लिमिटेड	19-07-2019	77.18	10.00
5	हाइलैंड एग्रो	31-03-2021	53.08	9.30
6	सबरी फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	25-05-2022	49.39	9.50
7	माँ शाकंभरी फूड्स	13-06-2022	27.41	10.00
8	बी वन बिजनेस हाउस प्राइवेट लिमिटेड	29-02-2024	33.79	9.90
9	सारस एलाइड एग्रो एंड फूड प्राइवेट लिमिटेड	29-02-2024	36.30	5.50
10	ओवीओ फार्म प्राइवेट लिमिटेड	25-05-2011	54.42	5.66
घटक योजना- कृषि प्रसंस्करण क्लस्टर अवसंरचना योजना				
11	विजय नगर बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड	10.11.2022	50.52	10.00
घटक योजना- खाद्य प्रसंस्करण एवं परिरक्षण क्षमता सृजन/विस्तार योजना				
12	बी-वन बिजनेस हाउस प्राइवेट लिमिटेड	19.02.2018	22.31	5
13	प्रगति मिल्क प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	09.01.2019	20.52	5
14	टीएबीपी स्नैक्स एंड बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड	05.12.2022	14.3864	5
15	फ्लेमिन्को श्रिम्पेक्स (पी) लिमिटेड	05.12.2022	35.9638	4.9143
16	विजयनगर बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड (यूनिट 1)	29.02.2024	8.0266	2.7188
17	विजयनगर बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड (यूनिट 3)	29.02.2024	7.1055	2.464
18	विजयनगर बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड (यूनिट 4)	29.02.2024	4.2539	1.4705
19	विजयनगर बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड (यूनिट-5)	29.02.2024	4.2277	1.4582

20	विजयनगर बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड (यूनिट 2)	29.02.2024	4.1525	1.433

<u>ख. पीएमएफएमई के अंतर्गत ओडिशा राज्य में अनुमोदित सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योग आधारित प्रस्ताव</u>

क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी के साथ अनुमोदित सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की संख्या: 2732

प्रारम्भिक पूंजी के लिए सहायता प्राप्त स्वयं सहायता समूह : 29546

<u>ग. पीएलआईएसएफपीआई योजना के अंतर्गत प्रतिबद्ध निवेश वाली परियोजनाओं की सूची</u>

क्र.स.	**आवेदक का नाम**	**क्षेत्र**	**ज़िला**	**प्रतिबद्ध निवेश (करोड़ रुपये में)**
1	ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड	रेडी टू कुक (आरटीसी)/ रेडी टू ईट (आरटीई)	खुर्दा	51
2	गद्रे मरीन एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड	समुद्री उत्पाद	बालासोर	24.85
3	आईटीसी लिमिटेड	आरटीसी/आरटीई	खुर्दा	14.5
4	पार्ले एग्रो प्राइवेट लिमिटेड	फल एवं सब्जियां	खुर्दा	26.8
5	टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड	फल एवं सब्जियां	बारगढ़	12.5